बी0म्यूज पाठ्यक्रम में प्रवेश का प्रारूप

अवधि- 3 वर्ष

सीट संख्या- 25

शुल्क- 3130/- (नियमित) , 6855/- (पेमेंट)

प्रवेश की अर्हताएं-

1. किसी मान्यता प्राप्त संस्था से इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण संगीत-गायन/वादन (सितार) विषय के साथ ।
2. निम्न में से किसी भी मान्यता प्राप्त इण्टरमीडिएट स्तर के सांगीतिक ज्ञान को वरीयता दी जायेगी ।

   (क) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से तीन वर्षीय डिप्लोमा ।

   (ख) महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से एक वर्षीय सार्टिफिकेट डिप्लोमा ।

   (ग) प्रयाग संगीत समिति की चार वर्षीय जूनियर डिप्लोमा ।

   (घ) भातखण्डे समवर्ती विश्वविद्यालय से चार वर्षीय उत्तीर्ण डिप्लोमा ।

   (ङ) U.G.C. मान्यता प्राप्त अन्य संगीत संस्थानों से इण्टरमीडिएट समकक्ष डिप्लोमा ।
3. बी0म्यूज पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए इण्टरमीडिएट पास करने के दो साल बाद तक प्रवेश में छूट दी जा सकती है तथा अधिकतम आयु सीमा 22 वर्ष ही होनी चाहिए ।

प्रवेश पद्धति-

प्रत्येक विद्यार्थी को विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है । प्रवेश परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होंगे ।

(क) प्रायोगिक पूर्णांक-200 (ख) शास्त्र पूर्णांक-100

परीक्षा नियमावली-

बी0म्यूज प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा एवं सैद्धान्तिक परीक्षा चार प्रश्न पत्रों में विभाजित होगा ।

(अ) प्रथम प्रश्न पत्र- क्रियात्मक मंच प्रदर्शन एवं मौखिकी पूर्णांक- 150+150=300

(ब) सत्रीय कार्य नियोजन- पूर्णांक-100

(स) सैद्धान्तिक प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक-100

सैद्धान्तिक द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक-100

प्रश्न पत्रों के आधार पर मूल्यांकन

सैद्धान्तिक- 33%

प्रायोगिक- 40%

बी0म्यूज (प्रथम वर्ष) गायन/वादन (सितार)

प्रथम प्रश्न पत्र-(राग एवं ताल का विश्लेषणात्मक अध्ययन)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय

   विस्तृत राग- यमन, भीमपलासी, भैरव

   अर्धविस्तृत राग- भूपाली, तिलंग, पटदीप, हिण्डोल, रामकली

2. समप्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन ।
3. निर्धारित रागों की बंदिशो/गतो को लिखने का अभ्यास ।

इकाई द्वितीय-

4. पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी को लिखने का अभ्यास ।

   ताल-झपताल, तीन ताल, चार ताल, एक ताल

इकाई तृतीय-

5. पं0 विष्णु नारायण भातखण्डे एवं पं0 विष्णुदिगम्बर पलुष्कर जी के स्वरलिपि पद्धति का सामान्य ज्ञान ।
6. गायक/वादक के गुण दोष ।

इकाई चतुर्थ-

7. शास्त्रीय संगीत और चित्रपट संगीत ।
8. मानव जीवन और संगीत ।

द्वितीय प्रश्न पत्र-(संगीत का इतिहास एवं सिद्धान्त)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. संगीत के शास्त्रीय ग्रंथों का सामान्य अध्ययन- नाट्यशास्त्र, बृहदेशी, संगीत रत्नाकर

इकाई द्वितीय-

2. पारिभाषिक शब्दावलियों का उचित ज्ञान- नाद तथा नाद के लक्षण, स्वर, श्रुति, गमक, मीड़, मुर्की, कण, खटका, जमजमा, कृन्तन ।

इकाई तृतीय-

3. हार्मनी, मेलोडी
4. मधुर व अमधुर ध्वनि ।
5. वाग्गेयकार के लक्षण ।

इकाई चतुर्थ-

6. जीवन वृत्त- विष्णु नारायण भातखण्डे, विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, पं0 ओंकार नाथ ठाकुर, उ0 बिस्मिल्लाह खाँ
7. मानव जीवन और संगीत ।

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मंच प्रदर्शन + मौखिकी)- **पूर्णांक-300**

सत्रीय कार्य नियोजन- **पूर्णांक 100**

1. राग यमन, भीमपलासी, भैरव में विलम्बित ख्याल, द्रुत ख्याल, मसीतखानी गत, रजाखानीगते तान सहित गाने/बजाने का पूर्ण अभ्यास ।
2. राग भूपाली, तिलंग, पटदीप, हिण्डोल, रामकली में छोटा ख्याल/रज़ाखानी गत आलापतान सहित ।
3. खमाज, काफी में भजन/धुन ।
4. उपरोक्त किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार । अन्य ताल में एक गत ।
5. झपताल, तीन ताल, चार ताल तथा एक ताल का दुगुन, चौगुन का मौखिक अभ्यास ।

बी0म्यूज (द्वितीय वर्ष) गायन/वादन (सितार)

प्रथम प्रश्न पत्र-(राग एवं ताल का विश्लेषणात्मक अध्ययन)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय

   विस्तृत राग- बागेश्री, मालकौंस, मुल्तानी और तोड़ी ।

   अर्धविस्तृत राग- तिलक कामोद, बहार, जयजवन्ती, कालिंगड़ा, विहाग, वृन्दावन सारंग ।

2. समप्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन ।
3. निर्धारित रागों की बंदिशो/गतो को लिखने का अभ्यास ।

इकाई द्वितीय-

4. पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी को लिखने का अभ्यास ।

   ताल-झूमरा, धमार, रूपक, तीव्रा, दीपचन्दी

इकाई तृतीय-

5. गायन शैली- प्रबंध, ध्रुपद, ख्याल, ठुमरी, टप्पा, त्रिवट, चतुरंग, तराना
6. उपरोक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में ध्रुपद और धमार/किसी भी अन्य ताल में गत लिखने का अभ्यास ।

इकाई चतुर्थ-

7. स्वर प्रस्तार
8. दर्शन और भारतीय संगीत ।
9. संगीत में स्वर लय एवं ताल का महत्व

द्वितीय प्रश्न पत्र-(संगीत का इतिहास एवं सिद्धान्त)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. संगीत के शास्त्रीय ग्रंथों का सामान्य अध्ययन- राग विवोध, संगीतराज, चतुर्दण्डी प्रकाशिका ।

इकाई द्वितीय-

2. ग्राम, मूर्च्छना

इकाई तृतीय-

3. कर्नाटक तथा हिन्दुस्तानी स्वर सप्तक का तुलनात्मक अध्ययन
4. ध्वनि शास्त्र, आन्दोलन, ध्वनि की तारता, तीव्रता

इकाई चतुर्थ-

5. जीवनवृत्त-डी0वी0 पलुष्कर, बड़े गुलाम अली खाँ, मुश्ताक अली खाँ

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मंच प्रदर्शन + मौखिकी)- **पूर्णांक-300**

सत्रीय कार्य नियोजन- **पूर्णांक 100**

1. राग वागेश्री, मालकौस, मूल्तानी, तोड़ी में विलम्बित ख्याल, द्रूत ख्याल/मसीतखानी, रजाखानी गत का आलाप, तान सहित गाने/बजाने का पूर्ण अभ्यास ।
2. राग तिलक कामोद, बहार, जयजयवन्ती, कालिंगड़ा, बिहाग, वृन्दावनी सारंग में छोटा ख्याल/रजाखानी गत ।
3. भैरवी में उपशास्त्रीय संगीत ।
4. उपरोक्त किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार/ किसी अन्य ताल में गत लिखने का अभ्यास ।
5. झूमरा, धमार, रूपक, तीव्रा, दीपचन्दी तालों में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन हाथ से ताली खाली देकर मौखिक प्रदर्शन ।
6. पिछले पाठ्यक्रमों में सीखे गये रागों तथा तालों का जानकारी आवश्यक है ।

बी0म्यूज (तृतीय वर्ष) गायन/वादन (सितार)

प्रथम प्रश्न पत्र-(राग एवं ताल का विश्लेषणात्मक अध्ययन)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय

   विस्तृत राग- रागेश्री, ललित, पूरिया धनाश्री, दरबारी

   अर्धविस्तृत राग- कामोद, पूरिया, पूर्वी, बसन्त, परज, अड़ाना, छायानट, शुद्ध कल्याण, मिया मल्हार ।

2. समप्रकृति रागों का तुलनात्मक अध्ययन ।
3. निर्धारित रागों की बंदिशो/गतो को लिखने का अभ्यास ।

इकाई द्वितीय-

4. पाठ्यक्रम में उल्लेखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन लयकारी को लिखने का अभ्यास ।

   ताल-सूलताल, आड़ा चारताल, तिलवाड़ा, दादरा, कहरवा ।

इकाई तृतीय-

5. उक्त किसी भी राग में ध्रुपद अथवा धमार । अन्य ताल में गत लिखने का अभ्यास ।

इकाई चतुर्थ-

6. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटकी ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन ।
7. राग-रागिनी वर्गीकरण के चार सिद्धांत और मत ।

द्वितीय प्रश्न पत्र-(संगीत का इतिहास एवं सिद्धान्त)

पूर्णांक-100

इकाई प्रथम-

1. संगीत के शास्त्रीय ग्रंथों का सामान्य अध्ययन- संगीत पारिजात, गीत गोविन्द, संगीत समयसार ।

इकाई द्वितीय-

2. स्थाय, काकु, कुतप ।
3. सारणा चतुष्टयी ।

इकाई तृतीय-

4. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण
5. ताल के दस प्राण

इकाई चतुर्थ-

6. संगीत के घराने- ग्वालियर, आगरा, जयपुर, पटियाला, किराना ।
7. जीवनवृत्त- पं0 रविशंकर, पं0 कुमार गंधर्व, पं0 सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पं0 पन्नालाल घोष ।
8. आधुनिक काल से वर्तमान काल का संक्षिप्त इतिहास ।

प्रायोगिक पाठ्यक्रम

(मंच प्रदर्शन + मौखिकी)- **पूर्णांक-300**

सत्रीय कार्य नियोजन- **पूर्णांक 100**

1. रागेश्री, दरबारी कान्हड़ा, पूरिया धनाश्री, ललित में विलम्बित ख्याल तथा द्रुत ख्याल/ मसीतखानी तथा रज़ाखानी गत का आलाप तथा तान सहित गायन/वादन करने का पूर्ण अभ्यास ।
2. कामोद, पूरिया, पूर्वी, बसन्त, परज, अड़ाना, छायानट, मियां मल्हार, शुद्ध कल्याण में छोटा ख्याल/रज़ाखानी गत आलाप तान सहित ।
3. देश और पहाड़ी राग में उपशास्त्रीय गायन/वादन ।
4. उक्त किसी भी राग में ध्रुपद अथवा धमार तथा तीन ताल के अतिरिक्त तालों में बंदिश ।
5. सूलताल, आड़ाचार ताल, तिलवाड़ा, दादरा, कहरवा तालो में दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़लयकारी का मौखिक प्रदर्शन ।
6. पूर्व वर्षों के रागों एवं तालों की जानकारी ।